कैटरीना को बेस्ट एडवाइजर मानती हैं परिणीति

पेज-18

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ लखनऊ ■ नई दिल्ली ■ गोरखपुर ■ पटना
■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ

सोमवार ● 8 जुलाई ● 2019

पृष्ठ 18, मूल्य ` 3.00

पेपरवेट का वजन कागजों को इधर-उधर बिखरने से रोकता है। अपने भार से वह कभी भी कागजों को कुचलता नहीं है। ताकत की यह भी एक नैतिकता है।
नवनीत सिकेरा@NavSekera

पर्यावरण व जैव विविधता संरक्षण सबका दायित्व

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। अगर हमें भारत को विश्वगुरु बनाना है, तो अपने इको सिस्टम पर ध्यान होगा। आज शहरों की सफाई में जितना पैसा खर्च होता है, जब जनभागीदारी नहीं होती है, तो पूरा पैसा बर्बाद हो जाता है। स्वच्छता का अभियान तब तक निर्रथक है, जब तक कचरे का समुचित निस्तारण नहीं किया जाता है। बायो वेस्टेज कचरा नहीं है। इसे कचरे में मत बदलिए। यह बातें डीजी (टेक्निकल) महेंद्र मोदी ने रविवार को निशातगंज स्थित कैफी आजमी आडिटोरियम में कहीं। इस अवसर पर उन्होंने आगे बताया कि बायो वेस्ट से तरल खाद बनाई जा सकती है। रासायनिक खाद और पेस्टीसाइड ने पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। बायो वेस्टेज से खाद बनाएंगे तो साथ फीसदी कचरा कम हो जाएगा। प्लास्टिक रिसाइक्लिंग के जरिए हम बाकी कचरे पर रोक लगा सकते है।

51 विभूतियां हुईं प्रकृति रत्न से सम्मानित

संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चन्द्र सिंह ने कहा कि अगर हम नहीं चेते तो कुछ दिन बाद प्यास बुझाने के लिए भी चुल्लू भर पानी नसीब नहीं होगा। जब हम बिलकुल छोटे थे तो घरों में गौरैया खूब दिखती थी। बचपन में गाय या भैस मरती थी, तो उनको खेतों में डाल दिया जाता है, ताकि पक्षी उसे खा सकें।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि नगर को स्वस्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी होनी चाहिए। जल, जंगल और पर्यवारण को बचाने की भागीदारी में जुटे कार्यकार्यताओं का सम्मान होना बहुत जरूरी है। हम जिन चीजों को जानते है और मानते है उनको स्वभाव में लाने की जरूरत है।

भाजपा युवा नेता नीरज सिंह ने कहा कि हम युवाओं को सामाजिक जीवन में काम करने के दौरान हमेशा सार्थक पहल करनी चाहिए। जब आप समाज के लिए सजग होते है, तो कारवां बन जाता है। उन्होंने कहा कि सीएसआर के माध्यम से लखनऊ नगर निगम को हम 27 ऐसे मशीनें देने वाले है, जिनसे 27 वार्डो में वेस्ट से कंपोस्ट खाद बनाई जाएगी। बुंदेलखंड ही नहीं, सौराष्ट्र में भी स्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण हैं। जल की महत्ता समझे बगैर हम दुनिया में आगे बढ़ नहीं सकते है। मौके पर कार्यक्रम के सहयोगी सत्यबंधु संतोष पांडेय तथा आईएस नेक्स्ट से सुधांशु मिश्रा, ज्योति किरण रतन के अलावा रामेंद्र सिंह, मयंक रंजन, शैलेंद्र सिंह, स्वाति शर्मा, सीमा मोदी, अर्चना सिंह, सुमन रावत, राजेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।